

quetschen: अस्थिविवरप्रविष्टमस्थिविदष्टं वा (श्लथ्यम्) सु०. 4, 101, 5.
— सम् 1) *beissen*: संदष्टः भा०. P. 6, 2, 15. संदश्य दशनैरोष्ठम् R. 6, 73, 4. MBh. 6, 4094. *mit den Zähnen packen*: व्याघ्रीव च हरेत्पुत्रान्संदेशेन च पीडयेत् (vgl. ÇIKSHĀ in Ind. St. 4, 268) 12, 3306. — 2) *zusammenknäufen, an einander drücken*: संदश्य दशनच्छदम् MBh. 1, 6274. 7, 7616. संदष्टौष्ठः द्रा०. P. 7, 9. संदष्टौष्ठपुटः MBh. 4, 778. R. 3, 33, 78. Dev. 9, 5. संदष्टाधरपल्लवाः अ०. 32. दत्तान्संदेशतस्तस्य कोपात् MBh. 2, 1485. *drücken, quetschen, dicht auf Etwas liegen*: (अन्तः) उपधि-योः संदष्टः क०. 23, 8. संदष्टकुसुमशयनानि (गात्राणि) ÇĀ. 66. संदष्टः *angedrückt, fest anliegend*: संदष्टवस्त्रबलानितम्बेषु Ragh. 16, 65. भूमिष्ठसंदष्टशिवं (शिरीषप्यं) कपोले 48. उरसा संदष्टसर्पलवाः ÇĀ. 170. संदष्ट n. *gequetschte Aussprache, wenn die Zähne nicht geöffnet und das Wort zwischen denselben gleichsam zerquetscht wird*, RV. Prāt. 14, 3. — Vgl. संदेश, संदष्टता.

— अभिसम्, partic. °दष्ट *zusammengebunden, zusammengeschnürt*: अभि संदष्टौ (sic) वै स्वा न शक्नुव एतुम् TS. 2, 5, 3, 3.

2. दंष्ट्र, दंशति und दंशयति *sprechen oder leuchten* द्रा०. P. 33, 91.

दंष्ट्र (von 1. दंष्ट्र 1) m. a) *Biss, die gebissene Stelle*, = दंशन MED. = खाडन und भुजगतत H. an. = सर्पतत TRIK. 3, 3, 427. वि०. im ÇKDr. सु०. 4, 40, 16. 2, 281, 17. 282, 6. 291, 19. 293, 19. 296, 18. दत्त° Gīr. 10, 11. कठोरदंशैर्मशकैः भा०. P. 5, 13, 3. अविषो ऽपि कदाचिदंशो (सर्पस्य) भवेत् MĀLAV. 47, 4. क्रेदो दंशस्य 62. — b) = दोष H. an. वि०. Wohl *Riss, Fehler in einem Edelstein u. s. w.* — c) *Zahn* H. 584. — d) *Bremse* AK. 2, 5, 27. 3, 1, 51. TRIK. 2, 5, 33. H. 1215. an. 2, 548. MED. ç. 6. KĀND. Up. 6, 9, 3. दंशमशकम् M. 1, 40, 45. 12, 62. JĀG. 3, 215. MBh. 18, 44. R. 2, 23, 16. 5, 34, 17. सु०. 4, 67, 5. Ragh. 2, 5. PAÑKĀT. III, 98. BHĀG. P. 3, 30, 27. 31, 27. 7, 3, 18. MĀRK. P. 15, 24. — e) *Harnisch (beissend so v. a. drückend, eng anliegend)* TRIK. 3, 3, 427. H. 766. H. an. MED. काञ्चनचित्र° भा०. P. 3, 18, 9. विशीर्षा° 1, 9, 39. — f) *Gelenk am Körper* H. an. वि०. im ÇKDr. Beruht viell. nur auf einer Verwechslung von मर्मन् mit वर्मन्. — g) N. pr. eines Asura MBh. 12, 93. — 2) f. ई *eine kleine Bremsenart* AK. 2, 5, 27. H. 1215. — Vgl. त्नादंश, वृष°.

दंशक (wie eben) 1) adj. *beissend* ÇKDr. WILS. — 2) m. a) *Hund* Nigh. Pr. — b) *Bremse* Hā. 123. *Hausfliege* (गृहमल्लिका) Nigh. Pr. Vgl. लुह°. — c) N. pr. eines Fürsten von Kampana RĀGĀ-TAR. 8, 178. — 3) f. दंशिका *eine Art Bremse* Nigh. Pr. — Vgl. वृषदंशक.

दंशन (wie eben) n. 1) *das Beissen, Biss* H. an. 3, 382. MED. n. 73. अक्लिभिः MBh. 8, 4252. सर्पाणाम् 14, 754. दष्टाश्च दशनैः कात्तं दामीकुर्वन्ति योषितः ŚĀ. D. 53, 4. — 2) *Harnisch, Rüstung* (vgl. दंष्ट्र) AK. 2, 8, 3, 32. H. 766, Sch. H. an. MED. Hā. 72. धृष्टयुग्मकृत्वाकं न विमोक्ष्यामि दशनम् MBh. 8, 2848. 1, 564. संनक्षधम् — मक्षति चात्रणि च दशनानि 3, 15684. अमेयः Dev. 2, 27.

दंशनाशिनो (दंश *Beissen, Jucken, + ना*°) f. *ein best. Insect* (तैलकीट) RĀGĀ. in Nigh. Pr. — Vgl. दर्शनाशिनो.

दंशनीरु (दंश *Bremse + नीरु*) m. *Büffel* TRIK. 2, 5, 4. °मीरुक H. 1282.

दंशमूल (दंश + मूल) m. *eine best. Pflanze mit bissender Wurzel, Hyperanthera Moringa* (शियु) RĀGĀ. in ÇKDr.

दंशवदन (दंश *Bremse + व*° *Schnabel*) m. *Reiher* RĀGĀ. in Nigh. Pr.

दंशित (von दंश) adj. 1) *geharnischt, gerüstet* AK. 2, 8, 3, 33. H. 766. an. 3, 267. MED. t. 114. MBh. 2, 1060. 3, 304. 4, 1027. 6, 3850. 13, 1979. 14, 2142. ARĀ. 10, 19. BHĀG. P. 4, 7, 17. 9, 1, 24. दंशिता विविधैस्त्राणिः ARĀ. 6, 14. वर्मणाः भा०. P. 6, 8, 33. खरं युद्धाय दंशितम् R. 3, 30, 45. Uneig. *geschützt, gerüstet, gewappnet*: सैन्यस्यार्धेन दंशिताः HARIV. 5079. 5082. तत्रिया व्यूहदंशिताः 5336. व्यूहानीकेन दंशिताः MBh. 6, 2240. रथैर्दंशिताः 3, 668. 14959. त्रेणोः 7, 4202. स कर्म कुरु मा ग्लासीः कर्मणा भव दंशितः 3, 1210. त्यक्त्वा संतापनं शोकं दंशितो भव कर्मणि (sic) 12, 644. — 2) *nahe anliegend* (wie ein *Harnisch*), *dicht bei einander stehend, dicht gedrängt* (vgl. संदष्ट u. दंष्ट्र mit सम्): सूर्या यत्र च सौवर्णास्त्रयो भासन्ति दंशिताः । तेजसा प्रज्वलन्तो हि कस्यैतद्धनुर्हृतमम् ॥ MBh. 4, 1329. 1326. वापाः सुदंशिताः 5, 7184. कृत्वाणि विराजन्ते दंशितानि सितानि च HARIV. 5454. 2654. 3849. 5361. सा मालाममलता गृह्य बलस्योरसि दंशिता (wohl दंशिताम् *dicht anliegend* zu lesen) 3432. — 3) *angeblich* = दष्ट (ज्ञातदंशित, hier also दंशित n. *Biss*) *gebissen* H. an. MED. — DRAUP. 6, 19 ist mit der Calc. Ausg. des MBh. 3, 15684 दंशनानि st. दंशितानि zu lesen, wie schon Bopp im Glossar verbessert hat. — Vgl. परिदंशित, संदंशित.

दंशिन (von 1. दंष्ट्र 1) adj. *beissend*; s. तृप°. — 2) m. a) *Hund*. — b) *Wespe* Nigh. Pr.

दंष्ट्रक (wie eben) adj. *beissend*: तस्मात्क्लोवं दंष्ट्रकूका दंष्ट्रकाः TBr. 1, 7, 8, 2. TS. 5, 2, 9, 6. KĀTH. 20, 5.

दंष्ट्रैर (wie eben) adj. *bissig* Uṇ. 1, 58. — Die richtige Form ist दंष्ट्रैः. दंष्ट्रमन् (wie eben) n. *Biss, die gebissene Stelle*: दंष्ट्रम तृणैः प्रकर्ष्याद्वि-मभि निरस्यति KAUC. 29, 32. — Vgl. तृष्ट°.

दंष्ट्रैर (wie eben) nom. ag. *Beisser* AV. 10, 4, 26.

दंष्ट्र (wie eben) m. *Spitzzahn, Fangzahn*: असिन्वन्दैष्टैः पितुरन्ति भोर्न-नम् RV. 2, 13, 4. दंष्ट्रभ्याम्, जम्भ्यैः, हनुभ्याम् (सं खाद) VS. 11, 78. 25, 1. उभोभ्यावित्तुप धेक् दंष्ट्रा किंक्षः शिशानो ऽवरं परं च RV. 10, 87, 3. AV. 10, 5, 43. 4, 36, 2. 16, 7, 3. PAÑKĀV. Br. 10, 4. संवत्सरस्य ये दंष्ट्राः AV. 11, 6, 22. Gobh. 2, 9, 10. यस्माद्दंष्ट्रा वर्षीयसो यस्मात्समा एव जम्भ्याः ÇĀT. Br. 11, 4, 1, 5. तिमदंष्ट्रनखायुधैः R. 4, 39, 11. धमदुकुटिदंष्ट्रकारालवक्त्राः भा०. P. 2, 7, 14. तिमदंष्ट्रकारालास्य 7, 5, 39. In der späteren Sprache gewöhnlich दंष्ट्रा f. P. 3, 2, 182. gaṇa यत्रादि zu P. 4, 1, 4. Uśval. zu Uṇ. 1, 4, 158. Vop. 26, 68. H. 583. ÇIKSHĀ in Ind. St. 4, 268. भौमाः (सर्पाः) दंष्ट्रावि-पाः सु०. 2, 257, 10. MBh. 4, 1543. PAÑKĀT. I, 339. AK. 3, 4, 30, 230. लूता-याः सु०. 2, 295, 18. प्रकूरस्य 120, 16. HARIV. 12374. BHĀG. P. 2, 7, 1. ŚĀ. D. 7, 10. सिंक्षस्य Ragh. 2, 46. PAÑKĀT. 55, 15. Hit. I, 96. bei Rākshasa: क्लृप्तश्चायता दंष्ट्राः MBh. 3, 10391. ऋष्टो दंष्ट्राः Hip. 2, 9. दंष्ट्राकाराल (वद-न) 3. BHĀG. 11, 23. 25. 27. R. 4, 14, 4. 5, 6, 4. Am Ende eines adj. comp.: कृत्तः सुदंष्ट्रः MBh. 5, 3384. तीक्ष्णा° Hip. 2, 7. भय° R. 4, 83, 9. रौद्र° BHĀG. P. 6, 9, 16. चैतुर्दंष्ट्र AV. 11, 9, 17. ARĀ. 10, 53. N. 12, 22. MBh. 3, 12388. 6, 71. 12, 1316. R. 5, 32, 11. — Vgl. अयो°, अष्ट°, तीक्ष्णा°, तीक्ष्णादंष्ट्रक, ष°.

दंष्ट्रान्वासिन् (दं° + सि°) m. N. pr. eines *Jaksha* BURN. Intr. 431. fg. दंष्ट्रायुध (दंष्ट्रा + आयुध) 1) adj. *die Spitzzähne als Waffen gebrauchend*, Beiw. von Hunden R. 2, 70, 23. — 2) m. *Wildschwein* Nigh. Pr.

दंष्ट्राल (von दंष्ट्रा) 1) adj. *mit grossen Spitzzähnen versehen*: दंष्ट्रालो-ष्ठपुटानन (कालनामि) HARIV. 2634. — 2) m. N. pr. eines *Rākshasa* R. 5, 12, 13.